मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 311
सोमवार, 01 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार जीता आईपीएल खिताब

नई दिल्ली, 31 मई। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विराट कोहली के अर्धशतक के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 5 विकेट से जीत हासिल की। इसी के साथ बेंगलुरु आईपीएल इतिहास की तीसरी टीम बन गई है, जिन्होंने लगातार दो बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। आरसीबी से पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में ये कारनामा किया था। मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में अपनी ट्रॉफी को डिफेंड किया था। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए थे। 156 रनों के लक्ष्य को रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इसी के साथ उन्होंने फाइनल मैच को 5 विकेट से अपने नाम किया।

बेंगलुरु ने फाइनल में धारदार गेंदबाजी करते हुए शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में आठ विकेट पर महज 155 रन पर रोक दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की धीमी पिच पर आरसीबी के गेंदबाजों ने ऐसी सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की कि गुजरात के बल्लेबाज कभी भी लय हासिल नहीं कर सके। कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय किया और आरसीबी के गेंदबाजों ने उनकी रणनीति को एकदम सही साबित किया।

जोश हेजलवुड (2/29) और भुवनेश्वर कुमार (2/37) की अगुवाई में तेज गेंदबाजों ने लगातार छोटी और शरीर की तरफ आती गेंदों का इस्तेमाल किया, जिससे गुजरात के बल्लेबाज खुलकर शॉट नहीं खेल सके। काली और लाल मिट्टी के मिश्रण वाली पिच बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं थी। गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी और यही गुजरात की बल्लेबाजी में भी साफ दिखाई दिया। पूरी पारी के दौरान केवल वॉशिंगटन सुंदर ही ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने संघर्ष करते हुए अविजिति अर्धशतक लगाया। उन्होंने 37 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

गुजरात की शुरूआत भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। टीम को अपने दो सबसे सफल बल्लेबाजों कप्तान शुभमन गिल (10) और साई सुदर्शन (12) से बड़ी पारी की उम्मीद थी। दोनों खिलाड़ियों ने इस सीजन 700 से अधिक रन बनाए हैं, लेकिन फाइनल में वे प्रभाव छोड़ने में विफल रहे। गिल ने संभलकर शुरूआत की, लेकिन हेजलवुड की गेंद पर उनका शॉट बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर सीधा कप्तान रजत पाटीदार के हाथों में चला गया।

इसके बाद साई सुदर्शन भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। उन्हें पहले डीआरएस के जरिए जीवनदान मिला, लेकिन भुवनेश्वर की उछाल लेती गेंद पर पुल शॉट खेलने के प्रयास में वे विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच थमा बैठे। दोनों सलामी बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बाद गुजरात की पारी लड़खड़ा गई। पावरप्ले समाप्त होने तक टीम का स्कोर दो विकेट पर सिर्फ 45 रन था। इसके बाद जोस बटलर और वॉशिंगटन सुंदर ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रन गति बढ़ाने में असफल रहे। गुजरात ने सुंदर के दम पर 155 रनों का स्कोर खड़ा किया।

156 रनों के स्कोर का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम ने ताबड़तोड़ शुरूआत की। सलामी बल्लेबाज के रूप में आरसीबी के लिए विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर क्रीज पर आए।

म्यांमार में जोरदार धमाका, 45 लोगों की मौत, 70 अन्य घायल

म्यांमार, 31 मई। पूर्वोत्तर म्यांमार में रविवार को एक इमारत में हुए विस्फोट में 45 से अधिक लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस इमारत में खनन गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए विस्फोटक सामग्री रखी गई थी। बचावकर्मियों और स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, नामखाम कस्बे के कौंगटुप गांव में दोपहर में हुए विस्फोट में लगभग 70 अन्य लोग घायल हो गए।

चीन सीमा से लगभग चीन किलोमीटर दक्षिण में स्थित यह क्षेत्र ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी के नियंत्रण में है, जो म्यांमा की केंद्र सरकार से लड़ रहा एक जातीय सशस्त्र समूह है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे एक बचावकर्मी ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि रविवार शाम तक छह बच्चों सहित 46 लोगों के शव बरामद कर लिए गए और उन्हें अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया है। बचावकर्मी ने सुरक्षा कारणों से नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि 74 घायलों को नामखाम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और बचाव अभियान जारी है। एक अन्य बचावकर्मी ने बताया कि विस्फोट में कम से कम 40 लोग मारे गए और इमारत के आसपास स्थित 100 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए।

गंगा में सफर होगा और सुरक्षित, 119 नाविकों को मिलीं 974 लाइफ जैकेट

वाराणसी। गंगा में नौका यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए जिला प्रशासन ने रविवार को नमो घाट फेज-2 पर 119 नाविकों को 974 निःशुल्क लाइफ जैकेट वितरित कीं। यह वितरण अभियान उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. सदानन्द गुप्ता ने बताया कि जनपद की सभी पंजीकृत नौकाओं को उनकी स्वीकृत यात्री क्षमता के अनुरूप चरणबद्ध ढंग से लाइफ जैकेट उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि काशी में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और पर्यटक गंगा दर्शन, गंगा आरती व अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए नौकाओं का उपयोग करते हैं, इसलिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने नाविकों से प्रत्येक यात्री को लाइफ जैकेट उपलब्ध कराने, नौका की निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाने तथा सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की। साथ ही खराब मौसम, तेज हवा, आंधी-तूफान या गंगा के बढ़ते जलस्तर के दौरान नौका संचालन से बचने का निर्देश दिया।

जिला प्रशासन ने कहा कि लाइफ जैकेट जल दुर्घटनाओं में जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी साधन है और इसके अनिवार्य उपयोग से जनहानि की आशंका काफी हद तक कम की जा सकती है। कार्यक्रम के सफल संचालन में एनडीआरएफ, जल पुलिस, आपदा मित्रों तथा संबंधित विभागों का सहयोग रहा। प्रशासन ने सभी नाविकों से सुरक्षा प्रथम के सिद्धांत को अपनाने की अपील की।

कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत, संगठन को गांव-गांव तक करेंगे मजबूत

- नव नियुक्त जिला अध्यक्ष रामसकल पटेल का रोहनिया में भव्य स्वागत, 2027 की तैयारियों का किया आह्वान
- ढोल-नगाड़ों, पुष्प वर्षा और फूल-मालाओं के बीच हुआ अभिनंदन, कैबिनेट मंत्री हंसराज विश्वकर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष रामसकल पटेल का रविवार को रोहनिया स्थित पार्टी कार्यालय में ढोल-नगाड़ों, पुष्प वर्षा और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे परिसर में भाजपा के जयघोष और संगठनात्मक उत्साह का माहौल देखने को मिला।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रामसकल पटेल ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर चलने वाला विशाल संगठन है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं को भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

रामसकल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। इन उपलब्धियों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का कार्य पार्टी कार्यकताओं को करना है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए संगठन को और अधिक सक्रिय तथा मजबूत बनाना होगा। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सभी लोग आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें। संगठन में प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि है और सबको साथ लेकर चलना ही भाजपा की कार्यशैली है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका समाधान कराने के लिए प्रयास करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, काशी प्रांत अध्यक्ष दिलीप पटेल, जिला अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक सुजीत सिंह, विधायक अवधेश सिंह सहित अन्य नेताओं ने भी रामसकल पटेल को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। समारोह में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सादगी से होगा डीके शिवकुमार का शपथ ग्रहण समारोह

कर्नाटक। डीके शिवकुमार 3 जून को दोपहर 3.30 बजे राजभवन के ग्लास हाउस में कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। पार्टी नेताओं ने बताया कि यह तारीख और समय डीके शिवकुमार के निजी ज्योतिषी बेलूर द्वारकानाथ से सलाह-मशविरा करने के बाद तय किया गया है।

ज्योतिष में गहरी आस्था रखने वाले डीके शिवकुमार को सलाह दी गई थी कि वे उस दिन शाम करीब 4.05 बजे शुरू होने वाले शुभ मुहूर्त में शपथ लें। इस समय को चुनने की एक वजह यह भी है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी आसानी से इस कार्यक्रम में शामिल हो सकें। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राज्य में नेतृत्व बदलाव की बातचीत के आखिरी दौर में प्रियंका गांधी ने बहुत अहम भूमिका निभाई है।

इस मौके की बड़ी राजनीतिक अहमियत होने के बावजूद कांग्रेस ने कोई भव्य या बड़ा आयोजन न करने का फैसला किया है। राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर ने बताया, ₹हमने पहले इस कार्यक्रम को विधान सौध की भव्य सीढ़ियों पर करने का सोचा था, जिसमें 15,000 से 20,000 लोग आते। लेकिन बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों से लोगों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए हमने बड़ा कार्यक्रम रद्द कर दिया।

भारत-नेपाल सीमा विवाद पर नया बवाल, पीएम बालेन्द्र शाह के बयान पर उठे सवाल

नेपाल, 31 मई। भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का एक बयान विवादों में आ गया है। संसद में सीमा विवाद पर सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि केवल भारत ने ही नेपाली क्षेत्रों पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कुछ स्थानों पर भारतीय भूमि का अतिक्रमण किया है। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें इस तथ्य की जानकारी मिली। उन्होंने सांसदों से कहा कि दोनों देशों को भावनाओं के बजाय तथ्यों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर इस मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए। शाह ने बताया कि नेपाल

सरकार ने भारत को एक औपचारिक राजनयिक नोट भेजकर Lipulekh Pass समेत विभिन्न क्षेत्रों पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा उठाया था और भारत की ओर से जवाब भी प्राप्त हो चुका है।उन्होंने कहा कि दोनों देश इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और सीमा विशेषज्ञों की मदद से बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों के जरिए समाधान खोजने पर सहमत हैं। भारत और नेपाल के बीच मुख्य सीमा विवाद Kalapani, Lipulekh Pass और Limpiyadhur क्षेत्रों को लेकर है। नेपाल इन क्षेत्रों पर दावा करता है, जबकि भारत इन्हें Uttarakhand का हिस्सा मानता है। भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत Niamber Acharya ने कहा कि उनके पास नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का कोई तथ्यात्मक रिकॉर्ड नहीं है।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
बिल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व माता-पिता दिवस- 1 जून, 2026

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

-ललित गर्ग

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनके निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम ह्यमाता-पिता के लिए एक साथह्ह एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष ह्यमातृ देवो भवः, पितृ देवो भवःह्ह- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोड़ना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे ह्यसबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वासह्ह की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं का उजास हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

भाजपा को 2027 के पंजाब विधान सभा चुनाव में अपनी नीति में बदलाव लाना होगा !

अशोक भाटिया

पंजाब निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी ने परचम लहराया है। आप ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए 8 नगर निगमों में से 5 पर जीत हासिल की है। मोहाली, बरनाला, बटाला, मोगा, बठिंडा नगर निगम आप के खाते में गया, कपूरथला पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया, वहीं अबोहर भाजपा का हो गया। पंजाब में 8 नगर निगमों, 75 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों समेत कुल 104 स्थानीय निकायों के लिए मतदान हुआ था, जिसका रिजल्ट आ चुका है। आम आदमी पार्टी के 958 उम्मीदवारों ने स्थानीय निकाय चुनाव में जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस 397 वार्ड जीतकर दूसरे नंबर की पार्टी बन गई है। ये निकाय चुनाव अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले काफी अहम माने जा रहे हैं। इनके नतीजों का असर विधानसभा चुनावों पर भी देखने को मिल सकता है। इस जीत से भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल गदगद नजर आए। केजरीवाल और मान ने इसे काम की राजनीति की जीत बताया।

2027 पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले स्थानीय निकाय चुनाव सत्ताधारी आप , कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के लिए लिटमस टेस्ट से कम नहीं है। आम आदमी पार्टी ने 48 प्रतिशत से ज्यादा वार्डों में जीत दर्ज हासिल की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान कह रहे हैं कि जनता ने सत्ताधारी पार्टी की विकासवादी नीतियों का समर्थन किया और विपक्ष की ह्यनफरत की राजनीति' को परास्त किया।अबोहर नगर निगम पर भाजपा को केवल जीत मिली है। भाजपा ने यहां 26 सीटें जीती हैं। वहीं मोगा नगर निगम और कोट ईसेखां पंचायत चुनाव में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। ईसेखां नगर पंचायत चुनाव में 13 सीटों में से आप ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की नाभा नगर काउंसिल भी आप जीत गई है।जनता ने विभाजनकारी राजनीति करने वाली पार्टियों को नकार दिया है। इन निकाय चुनावों को सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक अग्निपरीक्षा के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद कर रही है। कपूरथला में आम आदमी पार्टी को झटका लगा है। वहीं अबोहर में भाजपा ने जीत हासिल की है। पठानकोट में भी भाजपा का प्रदर्शन मजबूत रहा है। नगर काउंसिल की 75 में से करीब 45 सीटों पर भी आप का दबदबा देखने को मिला है।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी अब देश के ज्यादातर राज्यों में सत्ता में है। भाजपा ने बंगाल में अपनी सरकार बनाने का सपना भी पूरा कर लिया है । इसके साथ ही उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में भाजपा या तो सरकार में है या फिर एक बड़ी पार्टी है लेकिन पंजाब में ऐसा नहीं है। पंजाब में भाजपा अभी भी सिर्फ दो विधायकों वाली पार्टी है। पंजाब में भाजपा सत्ता में जरूर रही है लेकिन शिरोमणि अकाली दल के छोटे भाई की भूमिका में और 2020 में वह गठबंधन भी टूट गया है। इसके बाद भाजपा अब पंजाब में विस्तार की कोशिश कर रही है।

किसान कानूनों के विरोध में भाजपा और अकाली दल का दशकों पुराना गठबंधन टूट गया था। इस गठबंधन के टूटने के बाद से अब तक पंजाब में एक विधानसभा चुनाव और एक लोकसभा चुनाव हो चुका है। भाजपा ने पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ा लेकिन कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। मौजूदा समय में पार्टी के कुल दो विधायक हैं और विधानसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ 6.6 प्रतिशत वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव भी पार्टी ने अकेले लड़े थे और एक भी सीट पर जीत दर्ज नहीं कर पाई थी। हालांकि, 18.56 प्रतिशत वोट हासिल कर तीसरी बड़ी पार्टी जरूर बनी थी।

पांब की राजनीति हमेशा से बाकी राज्यों से अलग रही है। यहां धर्म, किसान आंदोलन, क्षेत्रीय पहचान, सिख राजनीति और स्थानीय मुद्दे चुनावी माहौल तय करते हैं। यही वजह है कि देश के कई राज्यों में मजबूत पकड़ रखने वाली भाजपा पंजाब में अब तक वैसी सफलता हासिल नहीं कर पाई जैसी हिंदी पट्टी के राज्यों में उसे मिली है। पिछले कुछ सालों में भाजपा ने पंजाब में अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश की है लेकिन राज्य में कई ऐसे मुद्दे हैं जो पार्टी की पंजाब विरोधी छवि बनाते हैं।

पंजाब में किसान राजनीति सबसे बड़ा फैक्टर मानी जाती है। कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन ने भाजपा की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचाया। पंजाब और हरियाणा के किसान कृषि कानूनों के खिलाफ कई दिनों तक दिल्ली बॉर्डर पर बैठे रहे लेकिन सरकार ने किसानों को नजरअंदाज किया। भाजपा की छवि पहले से पंजाब में किसान विरोधी थी और इन कानूनों की वजह से पार्टी पर लोगों को और ज्यादा अविश्वास हो गया। भले ही भाजपा ने बाद में इन कानूनों को वापिस ले लिया था लेकिन इन कानूनों की वजह से पार्टी की छवि को भारी नुकसान पहुंच गया था। यही कारण है कि ग्रामीण इलाकों में पार्टी को आज अभी भी विरोध का सामना करना पड़ता है।

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में सरकार है और पंजाब में एक मजबूत धारणा है कि भाजपा पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ को छिन लेगी। बीते साल चंडीगढ़ को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने के लिए एक विधेयक पेश करने का प्रस्ताव रखा था। इस विधेयक के पास होने के बाद चंडीगढ़ में प्रशासक के रूप में लेफ्टिनेंट गवर्नर यानी एलजी की नियुक्ति करने का प्लान था। अब तक पंजाब के गवर्नर ही चंडीगढ़ के प्रशासक के तौर पर काम करते थे। पंजाब के नेताओं ने इसका जमकर विरोध किया था और बाद में सरकार ने अपने फैसले पर यू टर्न भी ले लिया था। इस मुद्दे के कारण भी भाजपा बैकफुट पर है।

पंजाब की आबादी का एक बड़ा हिस्सा सिख है। भारतीय जनता पार्टी की छवि एक हिंदू पार्टी के रूप में बन गई है। पश्चिम बंगाल में हुए चुनाव में पार्टी को इस छवि का फायदा भी मिला। उत्तर भारत के हिंदी पट्टी के ज्यादातर राज्यों में भाजपा अपनी हिंदू छवि का फायदा उठाकर चुनावी सफलता का स्वाद चखती है लेकिन पंजाब में यही स्वाद कड़वा हो जाता है। भारतीय जनता पार्टी की हिंदू छवि और शिरोमणि अकाली दल की सिखों की पंथक राजनीति से इस गठबंधन को पंजाब में कई बार सफलता मिली है।

दरअसल 2020-2021 में किसान आंदोलन के बाद शिरोमणि अकाली दल द्वारा भारतीय जनता पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ने के बाद, भाजपा पंजाब की चुनावी राजनीति को प्रभावित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। यह अपनी रणनीति और रणनीति को काफी हद तक बदले बिना ऐसा करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, कई पर्यवेक्षक इस बात से हैरान हो सकते हैं कि भाजपा ऐसा करने का प्रयास क्यों कर रही है। आखिरकार, पंजाब की 13 संसदीय सीटें 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित नहीं कर सकती हैं, जब तक कि बहुत करीबी मुकाबला न हो। इसके अलावा, पंजाब उन कुछ राज्यों में से एक है जहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं, और मुस्लिम आबादी की आबादी का हिस्सा 2% से भी कम है। इसलिए, भाजपा की आजमाई हुई सांप्रदायिक बयानबाजी पंजाब के मतदाताओं को चुनावी रूप से मदद करने के लिए ध्रुवीकृत नहीं कर सकती है। याद रखें कि 1978 से 1992 तक सिख उग्रवाद के दौरान भी , पंजाब में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं लगभग नगण्य थीं। यहां तक कि पंजाब में दो समुदायों के ध्रुवीकरण का एक सफल प्रयास भी केवल एक तिहाई से थोड़ा अधिक वोट ही हासिल कर सका, जो सत्ता में आने के लिए पर्याप्त नहीं है।

हाल के निकाय चुनाओं से यह सोचना कि सभी हिंदू मतदाता भाजपा को चुनेंगे, एक भ्रम है। सिख मतदाताओं के समर्थन के बिना पंजाब में कोई भी पार्टी सत्ता में नहीं आ सकती। इसके अलावा, 2024 में लोकसभा चुनावों से पहले पार्टी की अंकगणितीय गणना के मामले में पंजाब महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है, लेकिन फिर भी इसका एक बड़ा प्रतीकात्मक मूल्य है। एक तरह से पंजाब उत्तर भारत में भाजपा के लिए अंतिम सीमा है।

भाजपा ने हाल ही में जिन तीन रणनीतियों को अपनाया है, वे इस बात के मजबूत संकेत हैं कि वह पंजाब में अकेले प्रवेश की योजना बना रही है, और यह पहले भी अन्य राज्यों में इनमें से प्रत्येक तरीके को आजमा चुकी है। आइए शुरू करते हैं कि राज्यपाल मौजूदा सरकार को कैसे परेशान कर रहे हैं। बनवारीलाल पुरोहित ने अगस्त 2021 में पंजाब के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला। कुछ महीनों के भीतर, उन्होंने सरकार के प्रति अपना दृष्टिकोण दिखाना शुरू कर दिया जब उन्होंने पूछा कि प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर भेजे गए शिक्षकों का चयन कैसे किया गया। उस समय शुरू हुआ तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

दूसरी रणनीति प्रमुख सिख नेताओं के बीच भाजपा की भर्ती अभियान है। कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पहले पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में साढ़े चार साल तक सेवा की, एक ऐसा दौर जो उदासीनता, भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत लाभ के लिए सत्ता के दुरुपयोग से चिह्नित था। उन्होंने प्रशासन की गुणवत्ता में तेज गिरावट को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। मनप्रीत सिंह बादल, राजकुमार वेरका और सुनील जाखड़ जैसे कुछ अन्य प्रमुख नेता भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। शिरोमणि अकाली दल से भी सीमित पलायन हुआ है। चरणजीत सिंह अटवाल और उनके बेटे इंदर इकबाल सिंह अटवाल (जालंधर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार) उन प्रमुख नेताओं ने इस्तीफा दे दिया है।

तीसरी रणनीति सरल लेकिन भारी है। जून से भाजपा के कई शीर्ष केंद्रीय नेताओं ने भाजपा शासन के नौ साल पूरे होने का जश्न मनाने के बहाने पंजाब का दौरा करना शुरू कर दिया। भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अश्विनी कुमार शर्मा के बयान के अनुसार, उनकी पार्टी इस कार्यक्रम के लिए सभी 13 लोकसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करेगी।

भले ही हम धर्म को भाजपा की जीत को निर्धारित करने वाले प्रमुख मानदंड के रूप में मान लें , लेकिन हिंदू बहुमत वाले पंजाब के पांच जिले, पठानकोट, जालंधर, होशियारपुर, फाजिल्का और शहीद भगत सिंह नगर इसके लिए वॉकओवर नहीं हैं। विरोधाभास सरल है। संपन्न और राजनीतिक रूप से प्रबुद्ध दलित पहले से ही राजनीतिक दलों की अपनी पसंद के साथ गठबंधन कर रहे हैं और ब्राह्मणवादी विचारधारा के आलोचक हैं। भाजपा के पास अपने खिलाफ लामबंद ताकतों को बेअसर करने के लिए गठबंधन सहयोगी की कमी होने के कारण, उसके नेता काल्पनिक पवन चक्कियों से लड़ते रह जाएंगे झ शाब्दिक रूप से डॉन क्विक्सोट की तरह।

चुनाव में तलवार, मुलाकात में गुलदस्ता! यही है राजनीति का असली चेहरा?

वैसे भी राजनीति में तस्वीरें कभी सिर्फ तस्वीरें नहीं होतीं। कई बार वे भाषणों से ज्यादा बोलती हैं, घोषणापत्रों से ज्यादा संकेत देती हैं और नेताओं के हजार बयानों से ज्यादा गहरे सवाल छोड़ जाती हैं। गाजीपुर की राजनीति में इन दिनों वायरल हो रही यह तस्वीर भी कुछ ऐसा ही कर रही है। एक तरफ पूर्व केंद्रीय मंत्री, तीन बार के सांसद और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल रहे मनोज सिन्हा। दूसरी तरफ पूर्वांचल की सबसे चर्चित राजनीतिक विरासतों में से एक अंसारी परिवार के प्रमुख चेहरे अफजाल अंसारी। दोनों के चेहरे पर मुस्कान है और दोनों के हाथों में एक स्मृति-चिह्न। दोनों एक-दूसरे का सम्मान कर रहे हैं। दोनों के चेहरों पर कोई राजनीतिक तल्खी नहीं दिखती। और यही तस्वीर सबसे बड़ा राजनीतिक व्यंग्य बन जाती है। क्योंकि यह वही गाजीपुर है जहां वर्षों तक दोनों धाराओं के समर्थकों ने एक-दूसरे को राजनीतिक शत्रु माना। यह वही इलाका है जहां चुनाव केवल चुनाव नहीं होते, प्रतिष्ठा, जातीय समीकरण, वर्चस्व और भावनाओं का युद्ध बन जाते हैं। लेकिन राजनीति का पुराना नियम आज भी कायम है, नेता लड़ते कम हैं, लड़ाते ज्यादा हैं। और जब समय बदलता है तो वही नेता सबसे पहले हाथ मिला लेते हैं। फिरहाल, तस्वीर में सब कुछ सामान्य दिखता है। न कोई चुनावी मंच है, न कोई राजनीतिक बयान, न आरोप-प्रत्यारोप का शोर। लेकिन राजनीति को जानने वाले समझते हैं कि तस्वीरें अक्सर शब्दों से ज्यादा बोलती हैं।

दिलचस्प संयोग देखिए। यही दो चेहरे कभी गाजीपुर की सबसे प्रतिष्ठित चुनावी लड़ाई के केंद्र में थे। एक-दूसरे के खिलाफ तीखे बयान दिए गए। समर्थकों ने मोर्चे संभाले। गांवों में बहसें हुईं। सोशल मीडिया पर राजनीतिक सेनाएं उतरीं। लेकिन वर्षों बाद उसी संघर्ष की स्मृतियों पर मुस्कान की परत चढ़ी दिखाई दे रही है। तस्वीर का सबसे दिलचस्प पहलू वह लाल डिब्बा नहीं है, जो दोनों नेताओं के हाथ में है। असली सवाल यह है कि आखिर उसमें क्या है, स्मृति-चिह्न, शिष्टाचार, राजनीतिक परिपक्वता या फिर राजनीति का वह पुराना संदेश कि चुनाव खत्म होते ही दुश्मनी भी खत्म हो जानी चाहिए? गाजीपुर के हजारों कार्यकर्ता इस तस्वीर को देखकर शायद अलग-अलग निष्कर्ष निकालें, लेकिन राजनीति का अनुभवी खिलाड़ी इसे देखकर केवल मुस्कुराएगा। क्योंकि वह जानता है कि सियासत में स्थायी दुश्मनी नहीं होती। स्थायी होते हैं केवल हित, संवाद और समय के साथ बदलते समीकरण। यही कारण है कि तस्वीर में दिखाई दे रही यह मुस्कान केवल दो नेताओं की मुस्कान नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के उस शाश्वत सत्य की झलक है, जहां मंच पर प्रतिद्वंद्विता और मंच के बाहर सौहार्द साथ-साथ चलते हैं। मतलब साफ है तस्वीर में दिख रही मुस्कान ने राजनीतिक गलियारों में नई चचाओं को जन्म दे दिया है। जिनके समर्थक वर्षों तक खेमों में बंटे रहे, वे आज एक ही फ्रेम में मुस्कुरा रहे हैं। राजनीति का शायद यही सबसे बड़ा व्यंग्य है. जिनके लिए समर्थक लड़ते रहे, वे आज भी मुस्कुराकर मिल लेते हैं...

2019: जब गाजीपुर देश की सबसे चर्चित सीटों में था

2019 का लोकसभा चुनाव गाजीपुर में सामान्य चुनाव नहीं था। एक तरफ केंद्र सरकार के प्रभावशाली मंत्री मनोज सिन्हा थे। दूसरी तरफ सपा-बसपा गठबंधन के उम्मीदवार अफजाल अंसारी। राष्ट्रीय मीडिया तक इस मुकाबले को पुराने प्रतिद्वंद्वियों की सीधी लड़ाई बता रहा था। उस समय भाजपा पूरे चुनाव को विकास बनाम बाहुबल के नैरेटिव में बदलना चाहती थी। मनोज सिन्हा ने चुनाव प्रचार के दौरान खुलकर कहा था, यह लड़ाई एक आईआईटीएन और बाहुबली के बीच है। यह लड़ाई एक शिक्षित इंजीनियर और अपराध की राजनीति के बीच है। यह बयान उस चुनाव का सबसे चर्चित राजनीतिक हमला बन गया था। उधर अफजाल अंसारी भी पीछे नहीं थे। वे लगातार यह कहते रहे कि वर्षों से अलग-अलग लड़ रही सपा और बसपा अब साथ आ चुकी हैं और यह गठबंधन कई राजनीतिक किलों को ध्वस्त कर देगा। उन्होंने कहा था, सपा और बसपा पहले नदी के दो किनारों की तरह थीं, अब दोनों साथ हैं तो कई किले ढहेंगे। यानी चुनाव केवल वोटों का नहीं था। यह दो राजनीतिक कथाओं का टकराव था। एक तरफ विकास का दावा। दूसरी तरफ सामाजिक समीकरणों की ताकत। एक तरफ भाजपा का विकास पुरुष। दूसरी तरफ गठबंधन का जातीय गणित। और फिर गाजीपुर ने सबको चैंका दिया... 23 मई 2019 को परिणाम आया। केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा चुनाव हार गए। अफजाल अंसारी ने लगभग 1.19 लाख वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। अफजाल अंसारी को 5.66 लाख से अधिक वोट मिले जबकि मनोज सिन्हा लगभग 4.46 लाख वोटों पर रुक गए। जिस सीट पर 2014 में भाजपा जीती थी, वही सीट 2019 में गठबंधन के सामाजिक समीकरणों के सामने फिसल गई। उस समय राजनीतिक विश्लेषकों ने साफ कहा कि गाजीपुर में विकास का मुद्दा जातीय अंकगणित के सामने कमजोर पड़ गया। विडंबना देखिए। जिस चुनाव में मनोज सिन्हा को हराया गया, उसी मनोज सिन्हा का राष्ट्रीय कद बाद में और बढ़ गया। और जिन अफजाल अंसारी ने चुनाव जीता, उनके राजनीतिक जीवन के साथ मुकदमों, कानूनी लड़ाइयों और विवादों की छाया लगातार चलती रही। यानी राजनीति ने एक बार फिर साबित किया, चुनावी हार हमेशा राजनीतिक हार नहीं होती। और चुनावी जीत हमेशा अंतिम विजय नहीं होती।

2017 का वह अधूरा अध्याय...

इस तस्वीर की चर्चा इसलिए भी ज्यादा हो रही है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक पुराना अध्याय आज भी लोगों को याद है। 2017 में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला था। उस समय राष्ट्रीय मीडिया में लगातार खबरें चल रही थीं कि मनोज सिन्हा मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। उनका नाम गंभीर दावेदार माना जा रहा था। राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि अंतिम क्षण तक उनका नाम सबसे मजबूत माना जा रहा था। फिर अचानक राजनीतिक पटकथा बदली। और मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ। यही वह मोड़ था जिसने उत्तर प्रदेश की राजनीति की दिशा बदल दी। आज भी जब मनोज सिन्हा की कोई राजनीतिक तस्वीर चर्चा में आती है तो उसके भीतर लोग पुराने राजनीतिक संकेत खोजने लगते हैं। हालांकि किसी तस्वीर को किसी विशेष नेता को संदेश या चिढ़ाने का प्रयास बताना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा, क्योंकि इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है। लेकिन राजनीति में प्रतीकों की अपनी भाषा होती है। और अनुभवी नेता अक्सर बिना बोले भी बहुत कुछ कह देते हैं। सबसे बड़ा व्यंग्य तस्वीर में नहीं, कार्यकताओं में छिपा है... असल दर्दनाक दृश्य तस्वीर नहीं है। दर्दनाक दृश्य वह कार्यकर्ता है जिसने वर्षों तक अपने नेता के लिए रिश्ते तोड़े। जिसने गांव में दुश्मनी पाल ली। जिसने सोशल मीडिया पर युद्ध लड़ा। जिसने अपने नेता की लड़ाई को धर्मयुद्ध समझ लिया। और आज वही नेता मुस्कुराकर एक-दूसरे को गुलदस्ता दे रहे हैं। राजनीति का सबसे बड़ा सच यही है, नेता चुनाव को रणनीति की तरह लड़ते हैं। कार्यकर्ता उसे जीवन-मरण का प्रश्न बना लेते हैं। नेता अवसर देखकर दोस्ती कर लेते हैं। कार्यकर्ता वर्षों तक दुश्मनी निभाते रहते हैं। नेता सत्ता के हिसाब से रिश्ते बनाते हैं। कार्यकर्ता भावनाओं के हिसाब से शत्रु चुन लेते हैं।

गाजीपुर की तस्वीर क्या कहती है?

यह तस्वीर शायद सिर्फ शिष्टाचार हो। शायद पुरानी पहचान का सम्मान हो। शायद राजनीतिक परिपक्वता हो। लेकिन यह तस्वीर एक सवाल जरूर पूछती है, जिन नेताओं के लिए समर्थक एक-दूसरे को दुश्मन मान बैठे थे, क्या वे नेता कभी खुद एक-दूसरे के दुश्मन थे भी? या फिर लड़ाई केवल मंच पर थी और रिश्ते हमेशा मंच के पीछे सुरक्षित रखे गए थे? गाजीपुर की राजनीति का इतिहास शायद इस सवाल का जवाब जानता है। सियासत का सबसे सफल खिलाड़ी वही होता है जो मंच पर तलवार और ड्राइंग रूम में गुलदस्ता दोनों संभालना जानता हो। दुर्भाग्य सिर्फ इतना है कि नेता हर चुनाव के बाद रिश्ते बचा लेते हैं, लेकिन कार्यकर्ता हर चुनाव में अपने रिश्ते गंवा बैठते हैं। गाजीपुर में 2019 की लड़ाई में समर्थक खेमों में बंट गए थे, लेकिन 2026 की एक तस्वीर ने बता दिया कि राजनीति में स्थायी दुश्मनी नहीं होती, स्थायी होती है सिर्फ कार्यकताओं की भावनात्मक भूल।

> गाजीपुर की राजनीति ने बहुत कुछ देखा है, नारों की तल्खी, चुनावी जंग की गर्मी, मंचों से बरसते शब्दबाण और समर्थकों के बीच खिंचती ऐसी लकीरें, जो कई बार रिश्तों तक को निगल जाती हैं। लेकिन राजनीति का सबसे बड़ा व्यंग्य तब जन्म लेता है, जब वर्षों तक एक-दूसरे के खिलाफ खड़े दिखाए गए चेहरे अचानक एक ही फ्रेम में मुस्कुराते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर ने पूर्वांचल की राजनीति में कुछ ऐसे ही सवालों को फिर जिंदा कर दिया है। तस्वीर में गाजीपुर की राजनीति के दो ऐसे किरदार हैं, जिनके नाम वर्षों तक अलग-अलग राजनीतिक ध्रुवों का प्रतिनिधित्व करते रहे। एक तरफ वह नेता, जिसे कभी उत्तर प्रदेश का संभावित मुख्यमंत्री माना गया, जिसने केंद्र सरकार में मंत्री रहते हुए विकास की राजनीति का चेहरा बनने का प्रयास किया। दूसरी तरफ वह नेता, जिसका नाम पूर्वांचल की सबसे प्रभावशाली और विवादित राजनीतिक विरासतों में गिना जाता है। तस्वीर में न कोई तल्खी है, न कोई आरोप, न कोई चुनावी भाषण। केवल मुस्कान है, शिष्टाचार है और एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव है। लेकिन यही मुस्कान सबसे बड़ा सवाल भी बन जाती है। क्या राजनीति में वास्तव में दुश्मनियां होती हैं, या दुश्मनी केवल समर्थकों के हिस्से लिखी जाती है? क्या मंचों पर दिखाई देने वाला संघर्ष वास्तव में उतना गहरा होता है, जितना कार्यकर्ता मान लेते हैं? या फिर राजनीति के अनुभवी खिलाड़ी हमेशा एक ऐसा दरवाजा खुला छोड़ देते हैं, जहां विरोध के बाद भी संबंध जीवित रहते हैं? गाजीपुर की यह तस्वीर केवल दो नेताओं की मुलाकात नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के उस अनकहे सच का आईना है, जिसे कार्यकर्ता अक्सर सबसे आखिर में समझ पाते हैं।

शिवराज सिंह का खेत बचाओ अभियानः क्या यह कंक्रीट से खेत बचाएगा?

-पवन वर्मा-विनायक फीचर्स

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि मंत्रालय से देश भर में ₹खेत बचाओ अभियान₹ शुरू किया है। यह अभियान 1 से 30 जून तक चलाये जाने की उन्होंने घोषणा की है। कागजों पर यह एक शानदार पहल है, मिट्टी का स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग, किसानों को सही समय पर सलाह और पंचायत स्तर तक योजनाओं का विकेंद्रीकरण। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या सिर्फ खाद और उर्वरकों के प्रबंधन से 'खेत' बच जाएगा? यह सबसे बड़ा सवाल है। आज जब देश भर में खेती की उपजाऊ जमीनें रियल एस्टेट कारोबारियों के सामने परोसी जा रही हैं,ऐसे में यह अभियान खेत बचाने की सबसे बड़ी चुनौती को नजरअंदाज करता सा नजर आ रहा है। आज देश भर में शहरों के आसपास की खेती की जमीनों पर बिल्डर्स निगाहे जमाए बैठे हुए है। वे खेत खरीदकर, धीरे धीरे फॉर्म हाउस और प्लॉट के नाम पर जमीन बेच रहे हैं। इस पर न तो राज्य सरकारों ने कोई नीति बनाई है, न केंद्र सरकार की कोई स्पष्ट नीति है। मतलब साफ है कि खेत बचाने के इस तरीके पर सरकारें सोच भी नहीं रही।

इस अभियान की विफलता या सफलता को मापने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा से बेहतर कोई मापदंड नहीं हो सकता। उनके लोकसभा क्षेत्र में विदिशा,सांची और भोजपुर जैसे विश्व-विरासत वाले क्षेत्रों का अपना गौरवशाली इतिहास है, स्वयं शिवराज सिंह चौहान के भी यहां बड़े बड़े खेत हैं लेकिन आज यही क्षेत्र एक डरावनी सच्चाई का गवाह है। यहाँ पर्यटन और शहरीकरण के नाम पर कृषि भूमि का रकबा जिस तेजी से घट रहा है, वह किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित कर देने वाला है। ? केंद्रीय कृषि मंत्री के अपने क्षेत्र में खेतों की मिट्टी पर ईंट-पत्थरों के बंगले और कमर्शियल कॉलोनियां बन चुकी है,और कुछ कॉलोनियां बन भी रही हैं। सांची और विदिशा के आसपास जिस तरह खेती की जमीन को कंवर्ट करके व्यावसायिक लाभ कमाया जा रहा है, वहाँ यह अभियान केवल उर्वरक की खुराक बताने तक सीमित होकर रह जाएगा। जब जमीन ही नहीं बचेगी, तो उस पर संतुलित खाद का उपयोग कौन करेगा?

इस अभियान में रासायनिक खाद कम करने और मृदा परीक्षण की बात तो है, लेकिन बिल्डर्स के चंगुल से खेत बचाने का कोई एजेंडा नहीं है। आखिर क्यों इस अभियान में उस कॉलोनी-कटिंग संस्कृति को रोकने का कोई सख्त प्रावधान नहीं है, जो दिन-प्रतिदिन हमारी खाद्य-सुरक्षा की जमीन को निगल रही है? ?क्या सिर्फ खाद से खेत बचेगा? अगर किसान को खेती से होने वाला मुनाफा बिल्डर द्वारा दिए गए चेक से कम है, तो वह अपनी जमीन को खेती के लिए क्यों बचाएगा? यह अभियान किसान की आर्थिक मजबूरी को समझने में पूरी तरह विफल है।? भू-संरक्षण कहाँ है? 'खेत बचाओ अभियान' का नाम तो बहुत बड़ा है, लेकिन इसमें 'भू-उपयोग' पर नियंत्रण का एक भी शब्द नहीं है। क्या यह अभियान केवल खाद के बैग बांटने तक सिमटा रहेगा, या यह बिल्डर्स और प्रशासन की उस सांठ-गांठ को चुनौती देगा जो खेतों को रातों-रात रिहायशी प्लाटों में बदल देती है? केंद्रीय कृषि मंत्री ने पंचायत को मजबूत करने की बात की है। अगर पंचायतें ही नहीं रोक पा रही हैं कि उनके गांव की उपजाऊ जमीन पर प्लॉटिंग न हो, तो फिर इस अभियान के अंतर्गत पंचायतों की भागीदारी का क्या अर्थ है? वास्तविकता यह है कि आज छोटे किसान के लिए खेत मातृभूमि नहीं मात्र एक संपत्ति बन गया है। बिल्डर्स उसे यह सपना बेचते हैं कि ₹खेती छोड़ो, समृद्ध बनो।₹ यदि खेत बचाओ अभियान को वाकई एक जन-आंदोलन बनाना है, तो इसे बिल्डर्स के खिलाफ एक मोर्चा खोलना होगा। जब तक खेत को आवासीय प्लाट बनाने पर कानूनी प्रतिबंध और खेती को रियल एस्टेट से अधिक मुनाफे वाला धंधा नहीं बनाया जाएगा, तब तक यह अभियान केवल सरकारी फाइलों की शोभा बढ़ाएगा।

भिवंडी महानगरपालिका में श्रद्धापूर्वक मनाई गयी अहिल्यादेवी होलकर जयंती

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 29 दिसंबर 2025 के परिपत्रक के अनुसार महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित कार्यक्रम में अहिल्यादेवी होलकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण अभिवादन किया गया। इस अवसर पर प्रभाग समिति क्रमांक-2 के सहायक आयुक्त विनोद मनोरे ने अहिल्यादेवी होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके समाजसेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी कार्यों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि अहिल्यादेवी होलकर का जीवन नारी शक्ति, न्यायप्रियता और लोकसेवा का प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में वैद्यकीय स्वास्थ्य विभाग के कार्यालयीन अधीक्षक नितेश चौधरी, भिवंडी जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी सहित महानगरपालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने लोकमाता अहिल्यादेवी होळकर के आदर्शों का अनुसरण करने का संकल्प व्यक्त किया। भिवंडी महानगरपालिका द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने महान शासिका और समाजसेविका अहिल्यादेवी होलकर के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किये।

सहायक संचालक के रूप में डॉ. अशोक गवली ने संभाला पदभार

पालघर(उत्तरशक्ति)। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पालघर जिले में सहायक संचालक (कुष्ठरोग) के पद पर डॉ. अशोक गवली ने हाल ही में पदभार ग्रहण किया। उनके नियुक्ति से जिले में कुष्ठरोग नियंत्रण, रोकथाम और जनजागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

डॉ. गवली को स्वास्थ्य क्षेत्र में विविध योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का व्यापक अनुभव है और उन्होंने पूर्व में कई स्थानों पर उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं। बताया जा रहा है कि वे पालघर जिले के ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में कुष्ठरोग के शीघ्र निदान, प्रभावी उपचार एवं जनजागरूकता अभियानों पर विशेष ध्यान देंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद आरोग्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने डॉ. गवली का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, सांख्यिकी सहायक चैतन्य कनप व अवैद्यकीय सहायक राजेश पाटील उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. गवली को शुभकामनाएं दी और उनके नेतृत्व में विभाग के कार्यों की सफलता की उम्मीद जताई। स्वास्थ्य विभाग ने विश्वास व्यक्त किया है कि डॉ. गवली के मार्गदर्शन में जिले में कुष्ठरोग निर्मूलन कार्यक्रम और अधिक प्रभावी ढंग से लागू होंगे तथा स्वास्थ्य सेवाएं सीधे जनता तक पहुँचेंगी।

ट्रांसरेल ने वित्त वर्ष 26 में शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई। ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड, जो लैटिस स्ट्रक्चर्स, कंडक्टर तथा मोनोपोल्स की इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं के साथ पावर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) पर फोकस करने वाली भारत की प्रमुख ईपीसी कंपनियों में से एक है, ने आज वित्त वर्ष 2026 और चौथी तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों का ऐलान किया।

कंपनी के पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन पर नजर डालें, तो परिचालन से राजस्व में साल-दर-साल 30% की शानदार बढ़त दर्ज की गई है, जो वित्त वर्ष 25 के 5,308 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,880 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इस दौरान कंपनी का एबिटा भी 21% की वृद्धि के साथ 676 करोड़ रुपये से बढ़कर 820 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का ऑपरेटिंग कर पूर्व लाभ 25% बढ़कर 584 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 25 में 467 करोड़ रुपये) और कर व्यय18% बढ़कर 163 करोड़ रुपये रहा। इसके परिणामस्वरूप, पूरे वित्त वर्ष 26 के लिए कंपनी का ऑपरेटिंग कर पश्चात लाभ 28% की मजबूत बढ़त के साथ 421 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 329 करोड़ रुपये था। हालांकि, कंपनी का ऑपरेटिंग कर पश्चात लाभ मार्जिन 6.1% पर स्थिर बना रहा। श्री रणदीप नारंग, एमडी एवं सीईओ ने परिणामों पर प्रक्रिया देते हुए कहा, वित्त वर्ष 26 में ट्रांसरेल का शानदार प्रदर्शन एक गतिशील परिचालन वातावरण के बावजूद कंपनी की निरंतर विकास गति को दर्शाता है। हमने अब तक का अपना सर्वकालिक उच्चतम राजस्व, एबिटा और पीएटी दर्ज किया है। यह उपलब्धि प्रमुख बिजनेस सेगमेंट्स और भौगोलिक क्षेत्रों में मजबूत निष्पादन के साथ-साथ उद्योग-अग्रणी मार्जिन हासिल करने के कारण संभव हुई।

इसके अलावा, हमने बैलेंस शीट को भी मजबूत किया है। इसमें वर्किंग कैपिटल दक्षता में सुधार, ऋण में कमी और 817 करोड़ रुपये का मजबूत ऑपरेटिंग कैश फ्लो शामिल है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना है। वित्त वर्ष के दौरान हमने टावर मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दोगुना किया और बुटिबुरी में नया ग्रीनफील्ड प्लांट चालू किया। कंडक्टरों की क्षमता विस्तार की प्रक्रिया भी चल रही है।

स्वस्थ ऑर्डर बुक और विभिन्न बिजनेस एवं भौगोलिक क्षेत्रों में मजबूत बिडिंग पाइपलाइन के सहारे, ट्रांसरेल मध्यम से दीर्घकालिक अवधि में अपनी तरक्की जारी रखने के लिए अच्छी स्थिति में है।

कल्याण के पास म्हारळ में गुंडों का हमला, पुराने विवाद में फिर बवाल, 7 घायल, 2 आरोपी गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण तालुका के टिटवाला पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले म्हारळ गांव में पुराने विवाद को लेकर एक बार फिर गुंडागर्दी की बड़ी घटना सामने आई है। गुंडों की टोली ने आशीष खांडेकर के परिवार पर हमला कर इलाके में दहशत फैला दी।

जानकारी के अनुसार, म्हारळ के खांडेकर चाळ परिसर में हरेश प्रधान उर्फ दैत्या और उसके साथियों ने मिलकर एक परिवार पर धावा बोल दिया। इस दौरान आरोपियों ने जमकर उत्पात मचाया, जिसमें एक महिला समेत कुल सात लोग घायल हो गए। वहीं हमलावरों ने दो वाहनों में भी तोड़फोड़ की।

टिटवाला पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने पहले एक महिला के साथ छेड़छाड़ की। जब आसपास के लोगों ने महिला को बचाने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन पर भी बेरहमी से हमला कर दिया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। इस मामले में टिटवाला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने हरेश प्रधान उर्फ दैत्या और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है।

मरीन लाइंस स्टेशनः वेस्टर्न रेलवे ने पूरा किया फुट ओवरब्रिज निर्माण का अहम फेज

मुंबई। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे ने मरीन लाइंस रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज (एफओबी) निर्माण कार्य का एक महत्वपूर्ण चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। 30 और 31 मई की रात स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 3 और 4 के बीच नए फुट ओवरब्रिज के लिए स्टील गर्डरों की लॉन्चिंग की गई। रेलवे अधिकारी के अनुसार, एबीएसएस (अमृत भारत स्टेशन स्कीम) के तहत 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज के निर्माण के लिए कुल 20 मीटर स्पैन वाले 19 स्टील गर्डर स्थापित किए गए। इन गर्डरों का कुल वजन लगभग 95 मीट्रिक टन था। यह कार्य सभी रेल लाइनों पर लिए गए तीन घंटे के ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के दौरान किया गया। ब्लॉक रात 1:22 बजे से सुबह 4:15 बजे तक लागू रहा। रेलवे ने निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा कर ब्लॉक को समय पर समाप्त कर दिया। गर्डर लॉन्चिंग के लिए दो 500 टन क्षमता वाले क्रेन, दो हाइड्रा मशीनें और एक टावर वैगन तैनात की गई थीं। इस दौरान रेलवे के 20 कर्मचारी और ठेकेदार के 40 कर्मचारी समेत कुल 60 लोगों की टीम ने कार्य में भाग लिया। इस महत्वपूर्ण कार्य के कारण चर्चगेट कॉरिडोर पर कुछ देर रात और तड़के सुबह चलने वाली उपनगरीय लोकल सेवाएं प्रभावित रहीं। कुछ ट्रेनों को मुंबई सेंट्रल तक ही सीमित किया गया, जबकि कुछ सेवाएं आंशिक रूप से रद्द की गईं। बता दें कि नया फुट ओवरब्रिज तैयार होने के बाद यात्रियों को प्लेटफॉर्म के बीच आवागमन में अधिक सुविधा मिलेगी और स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

पालघर जिला परिषद में मनाई गई पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में 31 मई 2026 को पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कनिष्ठ सहायक किशोर पाटील ने अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर मराठा साम्राज्य की एक आदर्श, न्यायप्रिय एवं लोककल्याणकारी शासिका मानी जाती हैं। उन्होंने इंदूर संस्थान का सुचारू संचालन करते हुए प्रजा के हित को सर्वोपरि रखा। उनके शासनकाल में सड़कों, घाटों, विहियों, धर्मशालाओं और मंदिरों के निर्माण के साथ-साथ देशभर के धार्मिक स्थलों, विशेषकर काशी विश्वनाथ मंदिर, के पुनर्निर्माण और संरक्षण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। जयंती कार्यक्रम में संगणक विशेषज्ञ सतीश साबले व कर्मचारी राहुल वडे भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने अहिल्याबाई होलकर की जीवन गाथा एवं उनके लोकहितकारी कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुंबई में बारिश, प्री मॉनसून से बांद्रा खार, सांताक्रूज, अंधेरी, वसोर्वा में खूब बरसा पानी, कई जगह जलजमानव

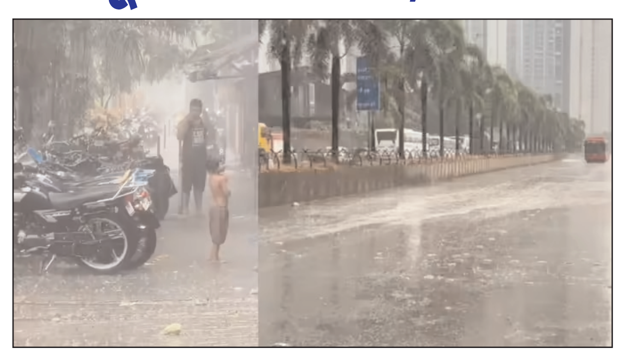

मुंबई। तेज धूप और चिलचिलाती गर्मी से मुंबईवालों को राहत मिली है। रविवार को छुट्टी के दिन मुंबई और आस-पास इलाकों में बारिश से चलते मौसम सुहाना हो गया है। मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे और रायगढ़ के कुछ हिस्सों के साथ ही पालघर में बादल छा गए। सुबह की शुरूआत में गर्मी और उमस ने जोर पकड़ा। लेकिन कुछ ही देर के बाद बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने लगीं। हालांकि कुछ ही देर की बारिश ने बीएमसी के कामों को पोल खोल कर रख दी। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। सड़कों पर भारी जाम भी देखा गया। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मुंबई में रविवार सुबह मॉनसून-पूर्व व्यापक बारिश हुई जिससे पिछले कुछ दिनों से गर्मी और उमस से प्रभावित शहर को राहत मिली। मुंबई, इसके पश्चिमी उपनगर और पूर्वी उपनगर समेत कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में जलजमाव की सूचना मिली।

पड़ोसी नवी मुंबई के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हुई। दादर, माटुंगा, खार, चेंबूर, मानखुर्द, कुर्ला, सांताक्रूज, विले पार्ले, अंधेरी और वसोर्वा उपनगरों में पिछले एक-दो घंटों में भारी बारिश हुई। जलजमाव के कारण यातायात धीमा हो गया जिससे कुछ क्षेत्रों में वाहन चालकों और यात्रियों को असुविधा हुई। बारिश और एक दुर्घटना के कारण सायन-पनवेल राजमार्ग के वाशी की ओर जाने वाले मार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया।

अचानक हुई भारी वर्षा से बचने के लिए कई दोपहिया वाहन चालक फ्लाईओवर, स्काईवॉक और दुकानों के शेड के नीचे शरण लेते दिखे। तत्काल किसी बड़ी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि नगर निगम के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

उपनगरीय रेल सेवाएं अप्रभावित रहीं हालांकि कुछ ट्रेन अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही थीं। अधिकारियों ने बताया कि रेल नेटवर्क पर किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

मुंबई उपनगर के पालक मंत्री को चांदिवली की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा की विभिन्न समस्याओं को मद्दे नजर रखते हुए भाजपा उत्तर मध्य मुंबई जिला के महामंत्री शुभ्रांशु दीक्षित की ओर से भाजपा द्वारा आयोजित जनसंवाद बैठक में कैबिनेट मंत्री और उपनगर के पालक मंत्री एड. आशिष शेलार को ज्ञापन सौंपा गया। बता दें कि भाजपा द्वारा आयोजित जनसंवाद बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे। मिली जानकारी के अनुसार चांदीवली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले असल्फा गांव मेट्रो स्टेशन के नीचे लंबे समय से सार्वजनिक शौचालय,मूत्रालय की सुविधा उपलब्ध है। जिसके कारण यहां के कामधंधे करने वाले, रिक्शा टैक्सी चालकों को शौच और लघुशंका के लिए असल्फा मेट्रो स्टेशन या फिर तीन सौ मीटर दूर असल्फा भाजी मार्केट में बनाए गए सुलभ शौचालय में जाना पड़ता है। इसी तरह साकीनाका, असल्फा, छत्रपति शिवाजी महाराज नगर मार्ग पर भीषण ट्रैफिक जाम के समाधान तथा असल्फा और साकीनाका क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण की निगरानी हेतु एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित करने की मांग शुभ्रांशु दीक्षित की ओर से ज्ञापन में की गई । जल्द ही मानसून आने वाला है ऐसे में चांदीवली विधानसभा के अंतर्गत आने वाले बड़े नालों की साफ सफाई की भी मांग शुभ्रांशु दीक्षित द्वारा उपनगर के पालक मंत्री एडवोकेट आशिष शेलार को दिए गए ज्ञापन में की गई है।

भाजपा कामगार आघाडी मुंबई में बी के सिंह को उपाध्यक्ष व किसन जाधव को बनाया गया प्रदेश सचिव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी कामगार आघाडी मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष एवं कामगार नेते अभिजीत राणे ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए दो महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं।बृकेत कुमार विष्णु नारायण सिंह उर्फ बी के सिंह को भाजपा कामगार आघाडी मुंबई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बी के सिंह लंबे समय से कामगार वर्ग के हितों के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं और पार्टी संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनकी कार्यनिष्ठा और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं किसन जाधव को भाजपा कामगार आघाडी मुंबई का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। किसन जाधव भी कामगार आंदोलन से जुड़े एक समर्पित कार्यकर्ता हैं और उनकी संगठनात्मक क्षमता एवं पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें प्रदेश सचिव का दायित्व सौंपा गया है। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम एवं भाजपा कामगार आघाडी मुंबई प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राणे का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है उस पर वे खरे उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। दोनों पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे मुंबई के कामगार वर्ग के हितों की रक्षा करते हुए पार्टी के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे तथा भाजपा कामगार आघाडी को और अधिक मजबूत बनाने में अपना योगदान देंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्नत प्रौद्योगिकी शिक्षा के मजबूती के लिए TeamLease EdTech की पहल

मुंबई। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद (IIIT इलाहाबाद), जो राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, ने अपने ऑनलाइन एग्जीक्यूटिव एम.टेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस कार्यक्रम के लिए TeamLease EdTech Ltd. के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। TeamLease EdTech Ltd. इस कार्यक्रम के लिए टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर के रूप में सहयोग करेगा। संस्थान की ओर से इस MoU पर IIIT इलाहाबाद के रजिस्ट्रार डॉ. मंदार सुभाष कार्यकर्ते ने हस्ताक्षर किए।

यह MoU उन कार्यरत पेशेवरों के लिए उन्नत स्नातकोत्तर शिक्षा की पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में गहरी क्षमताएं विकसित करना चाहते हैं। उद्योगों में ऑटोमेशन, एनालिटिक्स, निर्णय लेने की प्रक्रिया, ग्राहक अनुभव, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और वित्तीय सेवाओं में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में संरचित और उद्योग-प्रासंगिक शिक्षण मार्गों की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। एग्जीक्यूटिव एम.टेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस दो वर्षीय ऑनलाइन कार्यक्रम होगा, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को एआई, एमएल और डेटा साइंस से जुड़े टूल्स और तकनीकों की मजबूत वैचारिक समझ के साथ-साथ अनुप्रयुक्त दक्षता प्रदान करना है। यह कार्यक्रम विविध उद्योग संदर्भों में व्यावहारिक अनुप्रयोग और समस्या-समाधान पर केंद्रित होगा।

इस कार्यक्रम का समन्वय IIIT इलाहाबाद के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार द्वारा किया जाएगा। यह कार्यक्रम इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक डिग्री रखने वाले पेशेवरों और स्नातकों के लिए उपयुक्त होने की अपेक्षा है। संबंधित कार्य अनुभव को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि प्रोग्रामिंग और गणित का बुनियादी ज्ञान वांछनीय होगा।

MoU पर टिप्पणी करते हुए, IIIT इलाहाबाद के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावने ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस आज उद्योगों में नवाचार और जटिल समस्याओं के समाधान के केंद्र में हैं। इस MoU के माध्यम से, IIIT इलाहाबाद उन पेशेवरों के लिए एक सुदृढ़ और प्रासंगिक शैक्षणिक मार्ग तैयार करने का प्रयास कर रहा है, जो भविष्य के लिए उन्नत क्षमताएं विकसित करना चाहते हैं।

IIIT इलाहाबाद के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार ने कहा, एग्जीक्यूटिव एम.टेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस को वैचारिक गहराई और अनुप्रयुक्त शिक्षण के संयोजन के रूप में डिजाइन किया गया है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस को इस तरह समझने में सक्षम बनाना है, जिसे विभिन्न उद्योग संदर्भों में सार्थक रूप से लागू किया जा सके।

TeamLease EdTech के Founder & CEO, शंतनु रूज ने कहा , हम इस कार्यक्रम के लिए टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर के रूप में IIIT इलाहाबाद का सहयोग करते हुए प्रसन्न हैं। जैसे-जैसे एआई और डेटा साइंस कार्यबल परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण बन रहे हैं, इस प्रकार की शैक्षणिक पहलें पेशेवरों को अपने करियर को जारी रखते हुए प्रासंगिक क्षमताएं विकसित करने में मदद कर सकती हैं।

TeamLease EdTech Ltd. इस कार्यक्रम के लिए टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर के रूप में ऑनलाइन डिलीवरी इंफ्रास्ट्रक्चर और शिक्षार्थी सहभागिता सहयोग उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम के औपचारिक लॉन्च, प्रवेश समयसीमा और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विवरण IIIT इलाहाबाद द्वारा उचित समय पर घोषित किए जाएंगे।

सैमसंग गैलेक्सी एस 26 को स्मार्ट बनाने में भारतीय इंजीनियर्स का बड़ा हाथ

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के नोएडा स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (एसआरआई-नोएडा) ने इस साल लॉन्च हुई कंपनी की फ्लैगशिप स्मार्टफोन सीरीज सैमसंग गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए कई एआई फीचर्स विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

एसआरआई-नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्योंगयुन रू ने कहा, हमने करीब तीन साल पहले एआई पर काम शुरू किया था। गैलेक्सी एस26 के लिए हमने दक्षिण कोरिया के सुवॉन आरएंडडी ऑफिस के साथ मिलकर नाउ नज और नाउ ब्रीफ फीचर्स विकसित किए।

नाउ नज यूजर्स को उनकी जरूरत के अनुसार पहले से उपयोगी और संदर्भ आधारित सुझाव देता है, जबकि नाउ ब्रीफ महत्वपूर्ण इवेंट्स और कामों के लिए समय पर रिमाइंडर दिखाता है। एसआरआई-नोएडा के इंजीनियरों ने गैलेक्सी एस26 सीरीज के लिए क्रिएटिव स्टुडियो, कॉल स्क्रीनिंग और डायरेक्ट वॉयसमेल जैसे एआई फीचर्स के विकास में भी योगदान दिया है।

क्रिएटिव स्टुडियो फीचर की मदद से यूजर्स इमेज बना सकते हैं, फोटो एडिट कर सकते हैं, स्टिकर डिजाइन कर सकते हैं और वॉलपेपर तैयार कर सकते हैं। वहीं कॉल स्क्रीनिंग एक पर्सनल असिस्टेंट की तरह काम करता है, जहां एआई कॉल्स का जवाब दे सकता है, उन्हें ट्रांसक्राइब कर सकता है और जरूरी कॉल्स को फिल्टर कर सकता है। रू ने बताया, डायरेक्ट वॉयसमेल फीचर भारतीय ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया था। इसे पहले गैलेक्सी ए सीरीज के लिए तैयार किया गया था और इस साल इसे पहली बार फ्लैगशिप गैलेक्सी एस26 सीरीज में भी शामिल किया गया है। साल 2007 में स्थापित एसआरआई-नोएडा का मुख्य फोकस स्मार्टफोन, टैबलेट और वियरेबल्स से जुड़े एआई, तकनीकी विकास और सर्विस डेवलपमेंट पर है। रू ने कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं की राय और फीडबैक नए फीचर्स के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

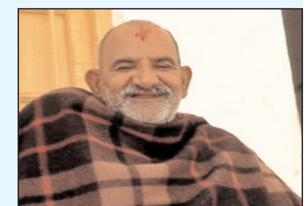
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

भारत को रूस, ईरान और अरब देशों के साथ संतुलित एवं स्वतंत्र संबंध स्थापित करने चाहिए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भारत की विदेश नीति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व राजनीति तेजी से बहुध्रुवीय (Multipolar) व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत को किसी एक महाशक्ति के प्रभाव क्षेत्र में सीमित होने के बजाय अपनी स्वतंत्र, संतुलित और राष्ट्रीय हितों पर आधारित विदेश नीति को और अधिक सशक्त बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी रणनीतिक स्वायत्तता (Strategic Autonomy) रही है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन (Non-Aligned Movement) की अवधारणा को आगे बढ़ाकर विश्व मंच पर भारत को एक स्वतंत्र और सम्मानजनक पहचान दिलाई थी। इस नीति का मूल उद्देश्य यह था कि भारत किसी भी शक्ति-गुट का अनुयायी न बने, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों और विश्व शांति के सिद्धांतों के आधार पर निर्णय ले।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत के ऐतिहासिक रूप से रूस, ईरान तथा अरब देशों के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। रूस ने रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा और औद्योगिक विकास के क्षेत्रों में दशकों

तक भारत का सहयोग किया है, जबकि ईरान और अरब देशों ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा तथा करोड़ों भारतीय प्रवासियों के रोजगार और आर्थिक हितों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए भारत की विदेश नीति ऐसी होनी चाहिए जो सभी मित्र देशों के साथ संतुलित और सम्मानजनक संबंध बनाए रखे।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने चाहिए। किसी भी बाहरी दबाव या अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन के प्रभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना ही एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र की पहचान है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पश्चिम एशिया में स्थायी शांति, संवाद और कूटनीतिक संतुलन भारत के हित में है। भारत को इजराइल, अरब देशों और ईरान–सभी के साथ रचनात्मक एवं मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखते हुए शांति, सह-अस्तित्व और सहयोग की नीति पर आगे बढ़ना चाहिए। भारत की ऐतिहासिक भूमिका किसी संघर्ष का पक्षकार बनने की नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और वैश्विक शांति को बढ़ावा देने की रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि भारत की विदेश नीति को और अधिक स्वतंत्र, संतुलित तथा राष्ट्रीय हितों पर आधारित बनाया जाए, ताकि भारत पुनः विकासशील और गुटनिरपेक्ष देशों की आवाज बनकर विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी स्वतंत्र सोच, लोकतांत्रिक मूल्यों, सभ्यतागत विरासत और सभी देशों के साथ सम्मानजनक संबंध स्थापित करने की क्षमता में निहित है।

कॉक्लियर इम्प्लांट योजना ने बदली आयत की दुनिया, खामोशी से मुस्कान तक का प्रेरक सफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कहते हैं कि जब समय पर सही उपचार और उचित सहयोग मिल जाए तो जीवन की कठिन से कठिन चुनौती भी अवसर में बदल सकती है। ऐसा ही प्रेरणादायक उदाहरण जौनपुर जनपद के केराकत तहसील, चंदवक थाना अंतर्गत ग्राम मढ़ी निवासी चार वर्षीय आयत शेख ने प्रस्तुत किया है, जिसके जीवन में उत्तर प्रदेश सरकार की कॉक्लियर इम्प्लांट योजना ने नई रोशनी और नई उम्मीद का संचार किया है।

आयत शेख, पिता असलम शेख, जन्म से ही श्रवण बाधित थी। वह न तो अपने आसपास की आवाजें सुन पाती थी और न ही स्पष्ट रूप से बोल सकती थी। परिवार के लिए यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक थी। माता-पिता अपनी बेटी के भविष्य को लेकर निरंतर चिंतित रहते थे और उसके सामान्य जीवन की कल्पना भी उनके लिए कठिन प्रतीत होती थी।

इसी बीच उन्हें दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कॉक्लियर इम्प्लांट योजना की जानकारी प्राप्त हुई। यह योजना 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे श्रवण बाधित बच्चों के लिए संचालित की जा रही है, जो सुनने और बोलने में असमर्थ हैं। योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों को कॉक्लियर इम्प्लांट हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

आयत के पिता असलम शेख ने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जौनपुर, श्रीमती दिव्या शुक्ला से संपर्क कर अपनी पुत्री के उपचार के लिए आवेदन किया। विभाग द्वारा

तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण कराए गए तथा निदेशालय स्तर से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत इम्पैनल्ड सत्कृति हॉस्पिटल में 16 नवंबर 2025 को आयत का कॉक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

ऑपरेशन के बाद आयत को नियमित रूप से स्पीच थैरेपी और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। उपचार के सकारात्मक परिणाम शीघ्र ही दिखाई देने लगे। जो बच्ची पहले किसी भी ध्वनि को नहीं सुन पाती थी, वह अब अपने आसपास की आवाजों को पहचानने लगी। धीरे-धीरे उसने अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों की आवाज सुनना शुरू किया तथा बोलने का प्रयास भी करने लगी। निरंतर अभ्यास और चिकित्सकीय मार्गदर्शन से उसकी सुनने और बोलने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया।

दिनांक 06 मई 2026 को उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, वाराणसी मंडल, वाराणसी की अध्यक्षता में आयोजित संवाद कार्यक्रम में आयत की प्रगति का अवलोकन किया गया। इस दौरान उसकी सुनने और बोलने की क्षमता में आए सकारात्मक बदलाव को देखकर उपस्थित अधिकारी एवं चिकित्सक भी उत्साहित हुए। आयत के परिवार के चेहरे पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दे रहा था, क्योंकि उनकी बेटी अब सामान्य जीवन की ओर आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा रही है।

आयत की सफलता की यह कहानी कॉक्लियर इम्प्लांट योजना की प्रभावशीलता और सरकार की जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण है। यह योजना न केवल श्रवण बाधित बच्चों को सुनने और बोलने का अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि उनके परिवारों के जीवन में भी नई उम्मीद, आत्मविश्वास और खुशियां लेकर आ रही है।

आज आयत की मुस्कान, उसकी बढ़ती संवाद क्षमता और जीवन के प्रति उसका उत्साह इस बात का जीवंत प्रमाण है कि समय पर मिला उपचार, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और सरकार की संवेदनशील पहल किसी भी बच्चे के जीवन को नई दिशा दे सकती है। आयत की यह यात्रा हजारों परिवारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह संदेश देती है कि सही समय पर उठाया गया एक कदम किसी बच्चे के पूरे भविष्य को बदल सकता है।

सत्य, साहस और जनहित की पहचान है पत्रकारिता: तामीर हसन शीबू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर News Hour सैटेलाइट चैनल के स्टेट ब्यूरो हेड उत्तर प्रदेश तामीर हसन शीबू ने प्रदेशभर के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके योगदान को नमन किया।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज और लोकतंत्र के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है। निष्पक्ष, निर्भीक और तथ्यपरक पत्रकारिता ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करती है। पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं, जो सत्ता से सवाल पूछने के साथ-साथ आमजन की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

तामीर हसन शीबू ने कहा कि वर्तमान समय में जब भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों का दौर तेजी से बढ़ रहा है, तब पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में भी पत्रकार

सत्य, निष्पक्षता और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का निर्वहन कर रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों ने सदैव समाज को सही दिशा देने, जन-जागरूकता बढ़ाने और व्यवस्था की खामियों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पत्रकारों की कलम और कैमरा हमेशा अन्याय, भ्रष्टाचार और असत्य के विरुद्ध संघर्ष का सशक्त माध्यम रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार केवल समाचारों के वाहक नहीं, बल्कि समाज और शासन के बीच संवाद का एक मजबूत सेतु हैं। उनके अथक परिश्रम, समर्पण और निष्ठा के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत बनी हुई है।

अंत में उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा सदैव जीवित रहे और पत्रकार सत्य, निष्पक्षता एवं जनहित के मार्ग पर चलते हुए समाज को नई दिशा देते रहें। इसी कामना के साथ उन्होंने सभी पत्रकार बंधुओं को हिंदी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एक जून से होगी मार्निंग कोर्ट

वाराणसी के अधिवक्ताओं ने फैसले का किया स्वागत, कोर्ट, कचहरी, तहसील, चकबंदी सभी सुबह 7 से 1 बजे तक चलेगी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में एक दशक से भी ज्यादा समय के बाद अब सोमवार एक जून से वाराणसी के सभी कोर्ट सिविल कोर्ट से लगायत कलेक्ट्रेट, तहसील, चकबंदी सभी सुबह सात बजे से एक बजे तक चलेंगे। मार्निंग कोर्ट के सम्बन्ध में चर्चा तो कई दिनों से कचहरी में चल रही थी इस विषय पर दोनों बार एसोसिएशन सेन्ट्रल बार एसोसिएशन और बनारस बार एसोसिएशन के

विरोधाभासी स्वर को देखते हुए एक महीने के विलंब के बाद शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से इस सम्बन्ध में आदेश जनपद न्यायाधीश को मिल गया। मार्निंग कोर्ट के सम्बन्ध में सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम और आशीष सिंह ने हमारे संवाददाता को बताया की मार्निंग कोर्ट से अधिवक्ताओं में हर्ष व्याप्त है। क्योंकि भीषण गर्मी को देखते हुए बार एसोसिएशन कई वर्षों से मार्निंग कोर्ट की मांग कर रहा था।

जौनपुर को मिला नया सीएमओ, डॉ.गंगाराम गौतम की तैनाती का शासनादेश जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल करते हुए डॉ. गंगाराम गौतम को जनपद जौनपुर का नया मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) नियुक्त किया है। इस संबंध में शासन द्वारा रविवार को आदेश जारी कर दिया गया।

जारी शासनादेश के अनुसार डॉ. गंगाराम गौतम वर्तमान में अयोध्या स्थित आरएचएफडब्ल्यूटीसी (रीजनल हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ट्रेनिंग सेंटर) में प्राचार्य के पद पर कार्यरत थे। उन्हें तत्काल प्रभाव से जौनपुर के रिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी पद पर तैनात किया गया है। विशेष सचिव ऋषभ रंजन द्वारा जारी आदेश में डॉ. गौतम को निर्देशित किया गया है कि वे शीघ्र अपनी नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करें तथा कार्यभार ग्रहण करने की सूचना शासन को उपलब्ध कराएं।

युवक का तमंचा लहराते वीडियो वायरल, सोशल मीडिया पर छिड़ी चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के केराकत कोतवाली क्षेत्र के सरोज बड़ेबर गांव निवासी एक युवक का कथित तौर पर अवैध देसी कट्टा लहराते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएँ हो रही हैं। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा युवक साहिल यादव उर्फ बंटी, पुत्र बबलू यादव है। वीडियो में युवक कथित रूप से हाथ में देसी तमंचा लिए नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने चिंता जताई है कि कम उम्र के युवाओं में सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने की होड़ बढ़ती जा रही है। कई बार लाइक, व्यूज और फॉलोअर्स के चक्कर में युवा ऐसे कदम उठा लेते हैं, जो उनके लिए कानूनी परेशानी का कारण बन सकते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस उम्र में युवाओं को शिक्षा, खेलकूद और अपने भविष्य के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए, उस उम्र में हथियारों के साथ वीडियो बनाना समाज के लिए चिंताजनक संकेत है। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है यदि वीडियो में दिखाई गई गतिविधि और हथियार अवैध पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विधिक कार्रवाई होनी तय है। 'सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाहत युवाओं को गलत रास्ते पर न ले जाए, इसके लिए अभिभावकों और समाज दोनों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।'

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अधिकारी गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान: डीएम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में शनिवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित शिकायतों की गहन समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का संबंधित अधिकारी स्वयं अवलोकन करें तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका प्रभावी निस्तारण करें। उन्होंने निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से फीडबैक प्राप्त किया जाए, जिससे निस्तारण की गुणवत्ता का आकलन किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी शिकायतों के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी एवं संतोषजनक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने जांचकर्ता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे शिकायतों की जांच के लिए स्वयं मौके पर पहुंचें और तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार करें। निस्तारण आख्या में जांचकर्ता एवं संस्तुतिकर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर, पदनाम की मोहर तथा तिथि का उल्लेख अनिवार्य रूप से किया जाए।

उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग को आपसी समन्वय के साथ जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि आख्या में किसी प्रकार की विसंगति न रहे और शिकायतों का निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण हो सके।

बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. गंगाराम गौतम की नियुक्ति को जिले के स्वास्थ्य विभाग के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आएगी। नए सीएमओ की नियुक्ति के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच चर्चा का माहौल है। वहीं आमजन भी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर संचालन की उम्मीद लगाए हुए हैं।

डिजिटल हिंदी पत्रकारिता: भारत की नई पहचान, दुनिया कर रही सलाम

काशी विद्यापीठ में 'डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में आनंद कुमार त्यागी, प्रेम शुक्ला, हँस राज विश्वकर्मा तथा प्रबल प्रताप सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के प्रांगण में डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि आज भारत की डिजिटल शक्ति पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। हिंदी पत्रकारिता और डिजिटल तकनीक के समन्वय ने देश की पत्रकारिता को नया आयाम दिया है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यमों में और अधिक दक्ष एवं सशक्त बनाया जाए, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रेम

शुक्ला ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के 200वें वर्ष पर सभी पत्रकारों, छायाकारों, पाठकों और श्रोताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने समाज और राष्ट्र निर्माण में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्य मंत्री हँस राज विश्वकर्मा ने डिजिटल पत्रकारिता को आज के समय में पाठकों और श्रोताओं के लिए एक वरदान बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक ने पत्रकारिता को अधिक पारदर्शी, त्वरित और जनसुलभ बनाया है। उन्होंने इस क्षेत्र से जुड़े सभी पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के योगदान की सराहना की। संगोष्ठी में डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, हिंदी पत्रकारिता की बदलती भूमिका तथा नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई।

राजातालाब तहसील क्षेत्र के 13 गांवों के उपजाऊ कृषि भूमि अधिग्रहण होने की आंशका की खबर पहुंची पीएम कार्यालय, लगाया गुहार

समाज सेवी सुबेदार यादव ने किसानों की समस्या के समाधान हेतु प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप करने का किया निवेदन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब तहसील के अंतर्गत 13 गांवों की अत्यधिक उपजाऊ कृषि भूमि के संभावित अधिग्रहण को लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश और अनिश्चितता का माहौल है। इस गंभीर मुद्दे पर समाजसेवी सुबेदार यादव ने जिला प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि स्थानीय

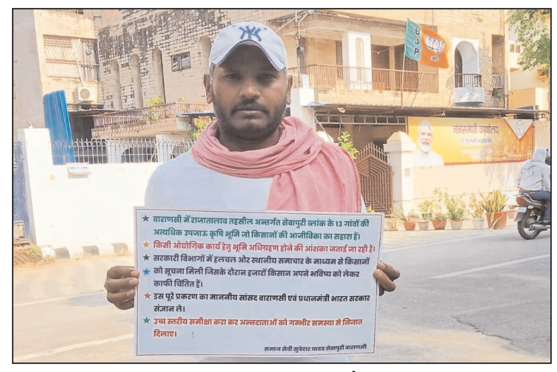

अधिकारियों की रिपोर्टिंग के कारण हजारों अन्नदाताओं की आजीविका और उनका भविष्य संकट के साए में वाराणसी के 13 गांव की उपजाऊ जमीन संभावित भूमि अधिग्रहण की मार झेल रहे इन गांवों में मुख्य रूप से बरकी, सकलपुर, रामपुरखास, दिलावरपुर, चकसोनबरसा, देवापुरखुर्द, भीषमपुर, डोमनपुर, लालपुर, अरका, कंसरायपुर, डेकहा और करधना शामिल हैं।

सुबेदार यादव का कहना हैं कि इन गांवों की भूमि बेहद उपजाऊ और बहुफसली है। जो न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए कृषि और आजीविका का मुख्य स्रोत भी है। ऐसी जमीनों का गैर-कृषि कार्यों के लिए अधिग्रहण करना पूरी तरह से आत्मघाती कदम है।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए समाजसेवी सुबेदार यादव ने प्रधानमंत्री के कार्यालय पर पहुंचकर पत्र के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री मोदी से इस पूरे प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की भावुक अपील की। किसान इस देश की रीढ़ हैं। विकास के नाम पर उनकी मर्जी के खिलाफ, उनकी उपजाऊ और जीवनदायिनी भूमि को छीनना किसी भी दृष्टिकोण से न्यायसंगत नहीं है। हमारा माननीय प्रधानमंत्री जी से विनम्र अनुरोध है कि वे अपने संसदीय क्षेत्र के इन बेबस किसानों के दर्द को समझें और इस पूरे मामले का स्वतः संज्ञान लें।

कांग्रेसियों ने मनाई अहिल्याबाई होलकर की जयंती

अहिल्याबाई होलकर का जीवन महिला सशक्तिकरण और आदर्श सामाजिक एकता का प्रतिबिम्ब: आरिफ खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की एक कुशल प्रशासिका, न्यायप्रिय, विदुषी,आदर्श नारी के रूप में सुविख्यात है। उक्त बातें

राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर शहर कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में आयोजित कार्यक्रम में शहर कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा। कांग्रेस शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने राजसिंहासन को तपस्थली और अपने पूरे जीवन को समाज के उद्धार, व विकास में समर्पित कर दिया। आरिफ खान ने आगे कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने अपने राज्य में कृषि, व्यापार शिक्षा, जलाशयों और मार्गो का व्यापक पैमाने पर निर्माण करके पूरे भारत में ख्याति प्राप्त किया, वे महिलाओ की शिक्षा की प्रेरक रही, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ मुखर होकर प्रतिरोध करने की उनकी इच्छा शक्ति ने अहिल्याबाई होलकर को पूरी दुनिया में लोकमाता के नाम से प्रसिद्ध प्राप्त हुई। कांग्रेस नेता आरिफ खान ने आगे कहा कि मंदिरों का निर्माण व जीर्णोद्धार, जलाशयों का निर्माण उनके जीवन का प्रमुख उद्देश्य था, काशी, मथुरा, उज्जैन आदि धार्मिक स्थलों का पुननिर्माण अहिल्याबाई होलकर की देन है, वे भगवान शिव की भक्त थीं, उनका आदर्श व न्यायप्रिय जीवन देश व दुनिया को प्रेरणा देता रहेगा। उपस्थित कांग्रेस कार्यकताओं ने अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। इस मौके पर लाल प्रकाश पाल, एडवोकेट अश्विनी मौर्य, अरविंद यादव, सभासद शाहनवाज मंजूर, डॉ.दिवाकर मौर्य, मोहम्मद ताहिर, तौसीफ अहमद राजू, हैदर अली, मोहम्मद सोनू, मोहम्मद आमिर, समीर आदि उपस्थित रहे।

सूदखोरों से परेशान युवक ने एसपी कार्यालय में पी लिया पेट्रोल, अस्पताल में भर्ती

बस्ती (उत्तरशक्ति)। जिले में सूदखोरी से परेशान एक युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने का मामला सामने आया है। बेटे के इलाज के लिए लिया गया 10 हजार रुपये का कर्ज पीड़ित परिवार के लिए मुसीबत बन गया। आरोप है कि मूलधन और ब्याज चुकाने के बावजूद सूदखोर लगातार 80 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

दुबौलिया थाना क्षेत्र के पाही माफी गांव निवासी सुरेश कुमार ने बताया कि पांच वर्ष पूर्व बेटे के पैर में संक्रमण के इलाज के लिए गांव के तीन लोगों से ब्याज पर 10 हजार रुपये उधार लिए थे। इलाज के बाद वह कर्ज चुकाता रहा, लेकिन ब्याज बढ़ता गया। सुरेश का आरोप है कि काफी धनराशि लौटाने के बावजूद सूदखोर अब भी 80 हजार रुपये बकाया बताकर दबाव बना रहे हैं।

पीड़ित ने बताया कि धमकियों से परेशान होकर वह पिछले पांच वर्षों से गांव छोड़कर बस्ती शहर में किराए के मकान में रहने को मजबूर है। गांव में रह रहे उसके बुजुर्ग पिता को भी लगातार धमकियां दी जा रही हैं। सुरेश का आरोप है कि सूदखोरों के भय के कारण वह अपनी बड़ी मां के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो सका।

न्याय न मिलने और लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान सुरेश मंगलवार को एसपी कार्यालय पहुंचा, जहां उसने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया और पेट्रोल पी लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल उसे बचाते हुए अस्पताल में भर्ती कराया। क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने ज्वलनशील पदार्थ का सेवन कर लिया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर संबंधित थाने को मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। घटना के बाद जिले में सूदखोरी के बढ़ते मामलों को लेकर चर्चा तेज हो गई है और पीड़ित परिवार न्याय की मांग कर रहा है।

'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के तहत किसानों को मिलेगा 90 फीसदी तक अनुदान, जिले को मिला 1644 हेक्टेयर का लक्ष्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जल संरक्षण एवं आधुनिक सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए संचालित 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' योजना के तहत जनपद को वित्तीय वर्ष 2026-27 में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति स्थापना के लिए कुल 1644 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से योजना का लाभ उठाकर कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की अपील की है।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि भूजल स्तर में लगातार गिरावट और जल संसाधनों की कमी को देखते हुए किसानों को ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर, माइक्रो स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर तथा रेनगन जैसी आधुनिक सिंचाई प्रणालियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन तकनीकों के प्रयोग से पानी और बिजली की बचत होने के साथ ही फसल उत्पादन में भी वृद्धि होती है।

उन्होंने बताया कि ड्रिप सिंचाई पद्धति में बूंद-बूंद पानी सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचता है, जबकि स्प्रिंकलर प्रणाली में फव्वारे की तरह सिंचाई की जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार इन प्रणालियों के प्रयोग से लगभग 70 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है तथा उर्वरकों के उपयोग में भी करीब 50 प्रतिशत तक कमी आती है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण में भी सहायता मिलती है।

विभाग को प्राप्त लक्ष्य के अनुसार ड्रिप सिंचाई के लिए 499 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर के लिए 168 हेक्टेयर, माइक्रो स्प्रिंकलर के लिए 40 हेक्टेयर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर के लिए 741 हेक्टेयर तथा लार्ज वॉल्यूम (रेनगन) के लिए 196 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों को ड्रिप और मिनी स्प्रिंकलर प्रणाली पर 90 प्रतिशत तथा सामान्य किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। वहीं पोर्टेबल स्प्रिंकलर एवं रेनगन प्रणाली पर लघु एवं सीमांत किसानों को 75 प्रतिशत और सामान्य किसानों को 65 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा।

योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान ऑनलाइन UPMIP पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए खेत में सिंचाई की व्यवस्था हेतु नलकूप होना आवश्यक है। किसान खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में भी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उद्यान विभाग ने किसानों से आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाकर जल संरक्षण और कृषि आय बढ़ाने की दिशा में आगे आने का आह्वान किया है।

रविवार भस्म आरती दर्शन के बाद देव प्रतिमाओं का पूजन

प्रणित नरेंद्र तिवारी

उज्जैन (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी देव प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक तथा दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक-पूजन किया गया। प्रथम घंटा बजाकर भगवान को हरि ओम जल अर्पित किया गया।कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल के मस्तक पर भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूर्ण होने के बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से आच्छादित कर भस्म रमाई गई। इसके पश्चात भगवान महाकाल का भांग, ड्राय फ्रूट, चंदन, आभूषण और पुष्पों से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया।भस्म अर्पित करने के बाद भगवान महाकाल को रजत शेषनाग मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला तथा सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। मोगरा और गुलाब के सुगंधित पुष्पों से सुसज्जित भगवान महाकाल ने भक्तों को दिव्य दर्शन दिए। आरती के दौरान भगवान को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। महा निवार्णी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित होने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।

पवारा के पास शुक्रवार को दो बाइक सवार घायल

विष्णुकांत मिश्रा

जौनपुर (उत्तर शक्ति) रात एक सड़क हादसे में दो फैक्ट्री कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार राजेंद्र प्रसाद और संजू तिवारी तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल हुए। पवारा थाना क्षेत्र के मड़वादोदक मार्ग पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में फैक्ट्री से घर लौट रहे बाइक सवार दो कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पवारा पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार पवारा थाना क्षेत्र के कुडुरिया गांव निवासी 45 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद पुत्र अमरनाथ सतहरिया स्थित एक फैक्ट्री में कार्य करते हैं। संजू तिवारी पत्नी सुरेंद्र तिवारी भी उसी फैक्ट्री में काम करती हैं। रोज की तरह शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे दोनों फैक्ट्री से काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। राजेंद्र प्रसाद अपनी महिला सहकर्मी संजू तिवारी को उसके घर छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान मड़वादोदक मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पवारा पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पवारा थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि दुर्घटना की जांच की जा रही है। दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

मांग में वृद्धि के बीच भी आईओसी द्वारा पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति जारी

मुंबई। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) देश के विभिन्न क्षेत्रों में ईंधन की मांग में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देशभर में अपने संचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय को जारी रखे हुए है।

हाल के दिनों में इंडियनऑयल ने पेट्रोलियम उत्पादों की ऑफटेक में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जैसा कि नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है।

दुर्घटना में ऑटो चालक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर शिवगुलामगंज बाजार के समीप शनिवार की रात एक पुलिया के पास हुई दुर्घटना में ऑटो चालक की मौत हो गई। पुलिस रविवार सुबह अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में लग गई है। मछलीशहर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी 55 वर्षीय संजय रात लगभग दो बजे ऑटो रिक्शा लेकर जिला मुख्यालय की तरफ जा रह था। रात में ही राहगीरों ने देखा कि उक्त मार्ग पर शिवगुलाम बाजार के समीप एक पुलिया के पास डिवाइडर पर ऑटो चालक घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। राहगीरों ने सूचना पुलिस को दी सूचना पर मौके पर पहुंची थाना की पुलिस ने 108 नंबर एम्बुलेंस सेवा से उसे जिला अस्पताल भेज दिया। यहां पर चिकित्सकों ने उसे देखने के बाद मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत पश्चिमी कौड़ियां पक्का पोखरा रेलवे क्रासिंग के समीप ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले शिनाख्त का प्रयास कर रही है। क्षेत्र के पश्चिमी कौड़ियां पक्का पोखरा स्थित रेलवे क्रासिंग व सिधाई गांव के बीच रविवार को रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान एक 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक की शिनाख्त का प्रयास किया। लेकिन शिनाख्त नहीं हो सका। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

देवेंद्र बने जौनपुर के नए प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक, शासन ने जारी किया आदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ उत्तर प्रदेश शासन ने शिक्षा विभाग में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-6 द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, चंदौली में तैनात प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार सिंह का स्थानांतरण कर उन्हें जौनपुर का नया प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा यह आदेश 31 मई, 2026 को संयुक्त सचिव संदीप परमार के हस्ताक्षर से जारी किया गया। शासन द्वारा जारी कार्यालय-ज्ञाप में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि स्थानांतरित अधिकारी बिना किसी प्रतिस्थानी (रिप्लेसमेंट) की प्रतीक्षा किए तुरंत अपने नए पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। इस प्रक्रिया के लिए उन्हें किसी भी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, शिक्षा निदेशक (माध्यमिक/बेसिक) को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान पद से मुक्त करें। शासन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय के भीतर कार्यभार न संभालना घोर अनुशासनहीनता माना जाएगा। साथ ही, जो भी सक्षम अधिकारी इस स्थानांतरण आदेश का पालन करने में ढिलाई बरतेंगे या कर्मी को कार्यमुक्त नहीं करेंगे, उनके खिलाफ भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस महत्वपूर्ण आदेश की प्रतिलिपि महानिदेशक (स्कूल शिक्षा), शिक्षा निदेशक (माध्यमिक/बेसिक), संबंधित मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, और कोषाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही और सूचना के लिए भेज दी गई है।

जहर खाकर महिला ने दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत चोरसंड गांव में पारिवारिक कलह के चलते एक महिला ने शनिवार की रात जहरीला पदार्थ खा लिया। परिवार वालों को पता चलने पर भर में उसे जिला अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उक्त गांव की 30 वर्षीया कुसुमलता पत्नी रिंकू प्रजापति रात किसी बात को लेकर परिवार में झगड़ा हो गया जिसे क्षुब्ध होकर कुसुम लता ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। घरवालों ने सोचा गुस्सा उतर जाने पर वह बाहर आएगी। भोर में खिड़की से किसी की नजर कमरे के अंदर पड़ी तो कुसुमलता फर्श पर पड़ी थी तथा उसके मुंह से झाग निकल रहा था। तत्काल उसे ले जाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कल्याण फ्लोर मिल एसोसिएशन ने मुख्य अभियंता का किया सम्मान, विद्युत संबंधी समस्याओं से कराया अवगत

कल्याण। कल्याण फ्लोर मिल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने संगठन की ओर से महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा का सम्मान किया तथा फ्लोर मिल संचालकों से जुड़ी विभिन्न विद्युत समस्याओं को उनके समक्ष रखा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन रविकांत थोर, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रधारी यादव, महासचिव जगदीश बालकृष्ण तरे तथा विभाग प्रमुख महेश सुरेश पावशे ने मुख्य अभियंता को फ्लोर मिल संचालकों की समस्याओं से अवगत कराया।

बैठक के दौरान बिजली बिल समय पर न मिलने, चक्कियों के मीटरों से संबंधित समस्याओं, परिसर के अंदर लगे मीटरों को बाहर स्थापित करने तथा विलंब से बिल मिलने के कारण उपभोक्ताओं

पर लगने वाले फाइन चार्ज का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसके अलावा जनवरी माह में जिन चक्कियों के मीटर बदले गए थे, उन नए मीटरों को अब तक सिस्टम में जनरेट नहीं किए जाने के कारण उपभोक्ताओं को पुराने मीटर के आधार पर ही बिजली बिल प्राप्त होने की समस्या भी रखी गई।

उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रधारी यादव ने मुख्य अभियंता को बताया कि संगठन की ओर से इन समस्याओं के संबंध में कई बार पत्र और निवेदन दिए गए, लेकिन अब तक अपेक्षित समाधान नहीं मिल पाया है, जिससे फ्लोर मिल संचालकों में निराशा का माहौल है।

मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा ने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि विभाग फ्लोर मिल संचालकों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग करेगा और संबंधित मामलों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य अभियंता के आश्वासन से संतुष्ट होकर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनका आभार व्यक्त किया तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई।

नगरसेविका निम्मी दोशी द्वारा आयोजित दाखला शिविर सम्पन्न, विधायक स्नेहा दुबे पंडित रहीं विशेष अतिथि

वसई, प्रतिनिधि। वसई-विरार महानगरपालिका के वॉर्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका निम्मी दोशी के नेतृत्व में जयराजनगर, वसई पश्चिम में एक विशेष दाखला शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रमाणपत्रों से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना था, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी सुविधा मिली।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्नेहा दुबे पंडित उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया।

शिविर में नगरसेविका अपर्णा पाटिल, नगरसेवक महेश

सरवणकर, प्रदीप पवार, पूर्व नगरसेवक दिनेश भानुशाली, समाजसेवी संतोष घाग, पूर्व नगरसेवक छोटू आनंद, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलोसो तथा युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी निपुण दोशी की विशेष भूमिका रही। उन्होंने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों तक शिविर की जानकारी पहुंचाकर उन्हें इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रयासों से बड़ी संख्या में नागरिकों ने शिविर में पहुंचकर आवश्यक सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर के दौरान संबंधित अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न दस्तावेजों एवं प्रमाणपत्रों से जुड़ी प्रक्रियाओं में सहायता प्रदान की। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे जनहितकारी शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम में अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला प्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सामाजिक पदाधिकारियों की आपसी भेंट-वार्ता, समाज की गतिविधियों पर किया विचार-विमर्श

गंजबासौदा। स्वर्णकार समाज के सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों को लेकर उत्तर प्रदेश के आगरा से आए समाजसेवी एवं व्यापारी प्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश के गंजबासौदा पहुंचकर समाज के विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

जानकारी के अनुसार, उमेश वर्मा, राष्ट्रीय प्रभारी, अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन एवं विशाल सोनी (आगरा) ने गंजबासौदा स्थित स्वर्णकार विवाह मंच के कार्यालय पहुंचकर संस्थापक संचालक राजकुमार सोनी से सौजन्य भेंट की।

इस दौरान समाज के संगठनात्मक विस्तार, सामाजिक गतिविधियों, विवाह मंच के कार्यों तथा आगामी योजनाओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में समाज के उत्थान एवं युवाओं की सहभागिता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। अतिथियों ने गंजबासौदा में संचालित सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए राजकुमार सोनी को आगरा आने का आमंत्रण दिया। दोनों पक्षों ने समाज हित में निरंतर सहयोग एवं समन्वय बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज की एकजुटता, सामाजिक जागरूकता एवं संगठन को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया गया।

वरिष्ठ समाजसेविका सरस्वती सिंह का दुःखद निधन

मुंबई। मुलुंड की वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती सरस्वती जय सिंह(83) का शनिवार, दिनांक 30 मई 2026 को दोपहर 3:30 बजे दुःखद निधन हो गया। मुलुंड पश्चिम स्थित सी -हिल व्यू ज्योति बिल्डिंग में उनका लोगों ने अंतिम दर्शन किया तत्पश्चात अंतिम यात्रा निकली। मुलुंड पश्चिम स्थित श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार

किया गया। उनके बड़े सुपुत्र अशोक सिंह ने मुखाग्नि दी। श्रीमती सिंह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। मुलुंड के सुप्रसिद्ध साई मेडिकल के संचालक राजेश कुमार सिंह (राजू भाई) की वे माताजी एवं समाजसेवी मोहित सिंह ,केतक सिंह की वे दादी माँ थीं। श्मशान भूमि में सिंह परिवार के संबंधियों में समाजसेवी महानंद रामकृपाल सिंह, डॉ सचिन सिंह, नवीन सिंह, विनोद सिंह, रमेश सिंह, धर्मेंद सिंह, जीतेंद्र सिंह, सुभाष सिंह, एन. के.सिंह, भगवान दास सिंह, पारस सिंह, रामराज सिंह तथा पारिवारिक संबंधियों में सेवीनिवृत अधीक्षक बीरेंद्र पाठक,समाजसेवी शीतला प्रसाद सिंह, निर्मल जैन, राम अय्यर,श्रीकृष्णन कनन,सुभाष कुंभार, सुरेन्द्र मिश्रा,रतीनाथ शुक्ला, आशिहारा कराटे महाराष्ट्र चीफ दया शंकर पाल,पंकज, कृष्णा, अमित, शिक्षाविद् राकेश मिश्रा, ब्रिजेश सिंह, दीना यादव सहित सैकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा की बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा का बैठक दिनांक 29 मई 2026 को रिया रॉयल होटल मछलीशहर में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (आर ए एम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलंकार अग्निहोत्री का जौनपुर प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत हुआ और एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जौनपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए सम्मानित कार्यकताओं ने बैठक में हिस्सा लिया । जिलाध्यक्ष अशोक तिवारी , विनोद उपाध्याय , शेषधर तिवारी , माता प्रसाद दुबे , महेंद्र तिवारी , संजय उपाध्याय , पारसनाथ उपाध्याय , प्रिंस मिश्रा , चंदन तिवारी , प्रमोद सिंह आदि गणमान्य लोगों के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष अलंकार अग्निहोत्री ने अपने अभिभाषण में देश में चल रहे भ्रष्टाचार, अत्याचार , सवर्णों के उपर हो रहे अन्याय के खिलाफ हम सब लोगों को मिलकर आवाज उठानी चाहिए। अब समय आ गया है कि हम सब एक साथ होकर समाज कल्याण के लिए आवाज उठाएं। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिलास्तर से लेकर वार्ड स्तर तक कार्यकर्ता नियुक्त किए जाएं जिससे आनेवाले विधानसभा में हम जमकर चुनाव लड़ सकें।

महाराष्ट्र की कर्मभूमि पर समाजवादी नेताओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

मुंबई। महाराष्ट्र की कर्मभूमि पर स्थित यूपी भवन में उत्तर यादव युवा संघ द्वारा समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं पूर्व एमएलसी काशीनाथ यादव का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अभय राज यादव, समाजवादी पार्टी मुंबई के राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार निहोर यादव, उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजबहादुर यादव, समाजसेवक विजय यादव तथा समाजसेवक धीरेंद्र यादव सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह और जोश के साथ उनका सम्मान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए काशीनाथ यादव ने संगठन की मजबूती पर बल दिया और उत्तर यादव युवा संघ के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि जहां भी उनकी आवश्यकता होगी, वे तन, मन और धन से संगठन का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज और संगठन की एकता एवं मजबूती के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

अपने संबोधन में उन्होंने पदाधिकारियों को लखनऊ आने का

निमंत्रण देते हुए कहा कि वे उनकी मुलाकात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से करवाएंगे। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को सभी कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों के सहयोग की आवश्यकता होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि सभी का सहयोग मिला तो वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

कार्यक्रम का समापन जय श्री कृष्णज्ञ के उद्घोष के साथ हुआ।

जिलाधिकारी ने किया उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का निरीक्षण, निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया द्वारा शनिवार को उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय एवं चिकित्सालय परिसर में संचालित निर्माण कार्यों, उपलब्ध सुविधाओं तथा अस्पताल संचालन में आ रही समस्याओं का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण की शुरूआत प्रशासनिक भवन से की गई, जहां जिलाधिकारी ने लिफ्ट निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए उसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। केंद्रीय पुस्तकालय एवं ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा पुस्तकालय व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। इसके उपरांत शैक्षणिक भवन का निरीक्षण किया गया। एनाटॉमी विभाग, म्यूजियम एवं डिसेक्शन हॉल की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए जिलाधिकारी ने शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था को केंद्रीय वातानुकूलन (सेंट्रल एसी) प्रणाली की सभी तकनीकी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही भवन के विभिन्न हिस्सों में सफाई, केबल प्रबंधन, रेलिंग सुरक्षा तथा अन्य अधूरे कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए।

अस्पताल भवन के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओपीडी पंजीकरण काउंटर, विभिन्न विभागों की ओपीडी तथा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा बताया गया कि अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 1500 से 2000 मरीज उपचार हेतु आते हैं तथा विभिन्न विशेषज्ञ विभागों की ओपीडी संचालित की जा रही है। मरीजों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में साइनेज व्यवस्था, साफ-सफाई, वातानुकूलन प्रणाली एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल भवन में फायर सेफ्टी व्यवस्था के संबंध में कार्यदायी संस्था को फायर सुरक्षा संबंधी सभी कार्य तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में मरीजों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए। छात्रावास के निरीक्षण के दौरान मेस की साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था एवं परिसर की स्वच्छता की समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। वहीं निमार्णाधीन सीसीयू भवन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने समयबद्ध ढंग से निर्माण कार्य पूर्ण कराने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान सब स्टेशन, विद्युत व्यवस्था, जलापूर्ति एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से जुड़े सभी लंबित एवं अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए ताकि मरीजों एवं विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मेडिकल कॉलेज के निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा प्रत्येक माह स्वयं निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतने की चेतावनी दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो0 आर0 बी0 कमल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ए0 ए0 जाफरी, वित्त नियंत्रक अतुल चौधरी, परियोजना प्रबंधक सिविल, विद्युत सहित अन्य उपस्थित रहे।